राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,रविवार , 17 मई 2026

वर्ष 14,अंक 38, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

PM गतिशक्ति से मेट्रो-कार्गो तक दिल्ली इग्जेम्प्लर कैटेगरी में बनी नंबर वन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुगमता (Logistics Ease Across Different States) (LEADS) 2025 इंडेक्स में राजधानी दिल्ली को देश की सर्वोच्च अनुकरणीय (इग्जेम्प्लर) श्रेणी में जगह मिली है. उन्होंने इसे दिल्ली के लिए गर्व का विषय कहा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उपलब्धि दिल्ली सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बढ़ाने, व्यापार सुगमता को बेहतर बनाने और टेक्नोलॉजी आधारित प्रशासन को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है. मुख्यमंत्री ने जानकारी दी है कि लीड्स इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाएं, नियामकीय व्यवस्था, डिजिटल इंटीग्रेशन, स्थिरता और हितधारकों की धारणा जैसे प्रमुख मानकों पर करता है. इस इंडेक्स में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चार श्रेणियों, इग्जेम्प्लर, हाई परफॉर्मर, एक्सेलेरेटर्स और ग्रोथ सीकर्स में रखा जाता है, जिनमें इग्जेम्प्लर सबसे ऊंची श्रेणी है. दिल्ली ने लगातार प्रगति करते हुए लीड्स 2023 और 2024 में अचीवर श्रेणी से आगे बढ़कर इस साल देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किया है, जिसे मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा. इससे शहरी माल परिवहन, अंतिम चरण की डिलीवरी व्यवस्था और शहरी फ्रेट मैनेजमेंट को ज्यादा व्यवस्थित बनाया जाएगा. पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर 46 अनिवार्य लेयर्स में से 38 का सफल इंटीग्रेशन किया जा चुका है. साथ ही, 317 अतिरिक्त लेयर्स भी जोड़ी गई हैं. इससे अलग-अलग विभागों के बीच समन्वित इंफ्रास्ट्रक्चर योजना और परियोजनाओं के क्रियान्वयन को मजबूती मिली है.

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक निवेश से जुड़ी स्वीकृतियों एवं अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया गया है. वहीं, यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) के जरिए एपीआई आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग और डेटा एक्सचेंज की सुविधा विकसित की गई है, जिससे विभिन्न लॉजिस्टिक्स हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है. लोक निर्माण विभाग द्वारा चलाए गए पॉटहोल-फ्री रोड अभियान के तहत दिल्ली की मुख्य और आंतरिक सड़कों में बड़े स्तर पर सुधार किया गया है. साथ ही, देश की पहली रिजनल रेपिड ट्रांजिट रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) नमो भारत कॉरिडोर के संचालन से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के बीच यात्री और माल परिवहन कनेक्टिविटी मजबूत हुई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो के फेज-ढ्ढङ्क विस्तार, जिसमें द्वारका एक्सप्रेसवे लिंक भी शामिल है, इससे राजधानी में मल्टीमॉडल शहरी परिवहन को नई गति मिली है. साथ ही, अर्बन एक्सटेंशन रोड-II (यूईआर-II) और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे माल परिवहन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिल रही है. डिजिटल सिस्टम और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस के उपयोग में दिल्ली का प्रदर्शन राष्ट्रीय और केंद्र शासित प्रदेशों के औसत से बेहतर रहा है. मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 को अंतिम रूप दे रही है. इस नीति का उद्देश्य माल ढुलाई में भीड़भाड़ कम करना, नियामकीय जटिलताओं को दूर करना और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों को खत्म करना है. इसके साथ ही दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी और इलेक्ट्रिक फ्लीट विस्तार योजना के तहत साल 2024-25 में 2,808 ई-बसों की खरीद का लक्ष्य रखा गया है तथा 2025 तक 10,000 से ज्यादा बसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक होंगी. ईवी अपनाने और सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में दिल्ली का प्रदर्शन अन्य केंद्र शासित प्रदेशों से बेहतर रहा है

सड़कों पर निर्भरता होगी कम

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोलर पॉलिसी के माध्यम से लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग ढांचे में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है. वहीं डीटीसी और देवी बस सेवा के विस्तार से सार्वजनिक परिवहन को मजबूत कर सड़क यातायात और माल परिवहन दबाव को कम करने का प्रयास किया जा रहा है. दिल्ली औद्योगिक नीति के जरिए लॉजिस्टिक्स निवेश और रोजगार सृजन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है. इसके अलावा वर्ष 2025 में डीएमआरसी मेट्रो-कार्गो पायलट प्रोजेक्ट के तहत ब्लू डार्ट के साथ साझेदारी कर नॉन-पीक घंटों में मेट्रो के जरिए पार्सल परिवहन शुरू किया गया है, जिससे सड़कों पर निर्भरता कम होगी और रोड कॉरिडोर पर दबाव घटेगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार कुशल मानव संसाधन निर्माण पर विशेष ध्यान दे रही है. दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) की नीतियों के माध्यम से सूक्ष्म एवं कारीगर आधारित उद्योगों को लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है. वहीं दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू), आईआरआईएलएमएम और ट्रांसग्लोब एकेडमी जैसे संस्थानों के जरिए लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है. कुशल मानव संसाधन उपलब्धता के मामले में भी दिल्ली का प्रदर्शन केंद्र शासित प्रदेशों के औसत से बेहतर रहा है, जिससे राजधानी देश के प्रमुख लॉजिस्टिक्स ह्यूमन कैपिटल हब के रूप में उभर रही है.

दिल्ली को मिले बढ़िया अंक

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लीड्स 2025 में दिल्ली ने लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाएं, संचालन एवं नियामकीय व्यवस्था तथा स्थिरता एवं समानता जैसे सभी प्रमुख मानकों पर राष्ट्रीय और यूटी औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है. सड़क, रेल, एयरपोर्ट, डिजिटल सिस्टम, वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में दिल्ली को मजबूत अंक प्राप्त हुए हैं. परिवहन सेवाएं, टर्मिनल सेवाएं और कुशल मानव संसाधन के मामले में भी दिल्ली का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है. साथ ही, अंतरराज्यीय माल परिवहन सुगमता और नीति सुधारों में भी दिल्ली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. हालांकि शिकायत निवारण व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता को भी चिन्हित किया गया है,

कोचिंग से क्राइम तक NEET पेपर लीक के मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी की पूरी कुंडली

NEET UG पेपर लीक 2026 केस में की जांच CBI कर रही है. CBI अब तक इस केस में 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. लेकिन इनमें सबसे ज्यादा चर्चा डॉक्टर पीवी कुलकर्णी की हो रही है. इस आरोपी ने रिटायरमेंट के बाद पेपर लीक केस की घटना को अंजाम दिया है. पीवी कुलकर्णी को इस केस का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है. वहीं, NEET UG 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी और उसकी सहयोगी मनीषा को CBI ने शनिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया. जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 10 दिनों की CBI कस्टडी में भेज दिया गया.

कौन है डॉक्टर पीवी कुलकर्णी?

NEET त्न पेपर लीक केस का मास्टरमाइंड कमेस्ट्री का रिटायर्ड लेक्चरर डॉक्टर पीवी कुलकर्णी है. CBI ने प्रोफेसर को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है. पीवी कुलकर्णी, महाराष्ट्र के लातूर का रहने वाला है, वो NTA की तरफ से नीट एग्जाम के प्रॉसेस का हिस्सा था. उसने कोचिंग के छात्रों को पेपर लीक कर सवाल-जवाब रटवाए थे. जानकारी के मुताबिक, केवल NEET 2026 लीक ही नहीं, गिरफ्तारी से पहले PV कुलकर्णी की तरफ से सेट किए गए हर एक पेपर के बारे में CBI ने पूछताछ की है. माना जा रहा है कि 2024 पेपर लीक और अन्य मामलों में भी उसकी संलिप्तता हो सकती है. हालांकि ष्टक्चढ्ढ का कहना है कि अभी पूछताछ की जा रही है.

चार साल पहले हुआ रिटायर

बताया जाता है कि पीवी कुलकर्णी ने लातूर के दयानंद विद्या महाविद्यालय/दयानंद शिक्षण संस्था में करीब 2830 साल तक पढ़ाया है. पीवी कुलकर्णी चार साल पहले रिटायर हुआ और बाद में पुणे शिफ्ट हो गया. लातूर में उसका घर अब भी मौजूद है. जांच में पता चला है कि कुलकर्णी 2011 से DEEPER (Dynamic Entrance E&amination Performance Enhancement and Research) से जुड़ा था. संस्था शुरुआत में शैक्षणिक गतिविधियों पर केंद्रित थी और बाद में सामाजिक कल्याण व सामुदायिक पहलों तक विस्तारित हुई. ष्ठश्वश्वक्क्चक्रप्रैक्टिस मॉक टेस्ट आयोजित करता है.

कुलकर्णी ने मनीषा के साथ छात्रों तक बनाई पहुंच

CBI की जांच में सामने आया है कि कुलकर्णी और मनीषा मंधारे ने कथित तौर पर पुणे, लातूर और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों के छात्रों तक नेटवर्क के जरिए पहुंच बनाई. अलग-अलग जगहों पर सेमिनार आयोजित किए गए और पुराने छात्रों, खासकर इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्रों का इस्तेमाल संभावित NEET अभ्यर्थियों तक पहुंचने के लिए किया गया. जांच एजेंसियों को शक है कि कोचिंग संस्थानों और मॉक टेस्ट के डेटा का इस्तेमाल अकादमिक रूप से कमजोर छात्रों की पहचान करने के लिए किया गया. अलग-अलग आर्थिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों का अलग तरीके से इस्तेमाल होने की भी आशंका है.

अभिभावकों की शिकायत पर खुला राज

पुणे पुलिस सूत्रों के अनुसार, NEET परीक्षा वाले दिन मनीषा वाघमारे के खाते में 10 लाख ट्रांसफर हुए, जबकि कई छात्रों ने 25,000-25,000 ट्रांसफर किए. इसी बीच एक अभिभावक की शिकायत के बाद लातूर की भूमिका जांच में सामने आई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने CBI को जानकारी दी. CBI टीम लातूर में मौजूद है और RCC Institute के शिवराज मोटेगावकर, कई छात्रों और अभिभावकों से पूछताछ कर चुकी है. ऋष्टष्ट प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाला कोचिंग संस्थान है.

कुलकर्णी पर कार्रवाई

CBI ने पहले पीवी कुलकर्णी से पूछताछ की. शह गहराने पर उसे बाद में हिरासत में लिया गया. कुलकर्णी का घर फिलहाल हॉस्टल के लिए किराए पर दिया गया है. पड़ोसियों के अनुसार, जिस दिन CBI टीम वहां पहुंची, उस समय घर पर एक छोटा लड़का मौजूद था.

प्रोफेसर मनीषा मंधारे पर कसा शिकंजा

उधर, NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में पुणे की प्रोफेसर मनीषा मंधारे की गिरफ्तारी के बाद कॉलेज की प्रिंसिपल सामने आई है. दरसअल, हृश्वश्वञ्ज-त्न 2026 पेपर लीक मामले में CBI नेपुणे की वरिष्ठ शिक्षिका मनीषा गुरुनाथ मंधारे को गिरफ्तार किया है. मनीषा मंधारे पुणे के प्रतिष्ठित मॉडर्न कॉलेज में बायोलॉजी विषय की वरिष्ठ प्रोफेसर थीं और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय मानी जाती थीं. इस मामले में पुणे के मॉडर्न कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निवेदिता एकबोटे ने कहा कि परीक्षा से जुड़ा काम सीधे NTA और संबंधित प्रोफेसर के बीच होता है और गोपनीयता के कारण कॉलेज की इसमें कोई भूमिका नहीं होती। उन्होंने कहा कि मनीषा मंधारे पिछले 24 वर्षों से मॉडर्न कॉलेज में कार्यरत थीं और उनका व्यवहार सामान्य था. अब तक उनके खिलाफ किसी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आई थी. उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को जो भी सहयोग चाहिए होगा, कॉलेज प्रशासन पूरा सहयोग करेगा.

संक्षिप्त ख़बरें

मालगाड़ी की चपेट में आने से सर्राफा व्यापारी की मौत, लोन की किस्त जमा करने गया था मृतक

सुलतानपुरः उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में नाका रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार दोपहर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक सर्राफा व्यापारी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सलाहपुर बरदहिया निवासी अनिल कुमार सोनी (35) के रूप में हुई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अनुसार अनिल कुमार सोनी पैदल रेलवे लाइन पार कर रहे थे, तभी वह मालगाड़ी की चपेट में आ गए। हादसे में उनका बायां हाथ कंधे से अलग हो गया। जीआरपी उपनिरीक्षक आरिफ खान ने बताया कि आधार कार्ड के माध्यम से शव की पहचान की गई और परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। परिजनों के अनुसार, अनिल अपने घर के पास सर्राफा की दुकान चलाते थे और वह दुकान के कर्ज तथा लोन की किस्तों को लेकर तनाव में थे। पत्नी चंदा सोनी ने बताया कि वह लोन की किस्त जमा करने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ, NEET केस पर भड़के राहुल, बोले- शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करें PM

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता से जुड़े मामले को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करें या खुद जवाबदेही स्वीकार करें। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह मामला भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विभिन्न संस्थाओं में बैठे इनसे जुड़े लोगों के बीच 'पैसे बनाने के लिए की गई साठगांठ' का मामला है।

22 लाख बच्चों की मेहनत बर्बाद हो गई

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, 'नीट के 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है। पर मोदी जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे। धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए, या जवाबदेही खुद लीजिए।' राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि 22 लाख छात्रों ने दो साल तक जीतोड़ मेहनत की और उनकी सारी मेहनत बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा, 'पूरा देश जानता है कि परीक्षा से दो दिन पहले नीट का पेपर व्हाट्सऐप पर बांटा गया। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।' राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधान ने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की सिफारिश को कूड़ेदान में फेंक दिया और यह कहा था कि इस समिति में विपक्ष के लोग बैठे हैं, ऐसे में इन सिफारिशों का कोई मतलब नहीं है।

आरएसएस-भाजपा ने शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया

उन्होंने दावा किया कि प्रधान ने देश की शिक्षा व्यस्था के मूल स्वरूप को नुकसान पहुंचाया है। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया, 'केंद्र में, आरएसएस-भाजपा और उनके सहयोगियों–विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रोफेसरों–के बीच पैसे कमाने का यह गठजोड़ मौजूद है। इन्होंने हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया है।' राहुल गांधी ने कहा, 'पूरा देश जानता है कि यदि आप किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बनना चाहते हैं, तो आपको विषय का ज्ञान और अनुभव रखने की कोई जरूरत नहीं है। यदि आप आरएसएस से जुड़े हैं, तो कुलपति बन सकते हैं, लेकिन आपकी विचारधारा आरएसएस की नहीं है, तो आप कुलपति नहीं बन सकते।

दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा हो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग परीक्षाओं के 80 बार पेपर लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए और यह निर्देश देना चाहिए नीट पेपर लीक मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा हो। इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी मोदी सरकार में 'अमृत काल' भर्ती-परीक्षा के छात्रों के लिए 'मृत काल' साबित हो रहा है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब प्रधानमंत्री को चुप्पी तोड़नी चाहिए और 'परीक्षा-लीक पर चर्चा' करनी चाहिए। खरगे ने कहा, 'मोदी जी परीक्षा-लीक पर चर्चा कीजिये, चुप रहने से कुछ नहीं होगा । कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शिक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति का उल्लेख करते हुए यह दावा भी किया कि समिति की सिफारिशों को मानने से इनकार करके मंत्री ने संसद की बहुदलीय परंपराओं को खारिज किया है। रमेश ने कहा, 'प्रधानमंत्री अपने वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का बड़े गर्व के साथ व्यापक प्रचार करते हैं। लेकिन आज समय की मांग परीक्षा की समीक्षा है। शिक्षा मंत्री इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त नहीं दिखाई देते।

गैंगरेप से दहला स्क्क्, बस स्टैंड से उठाकर मुसाफिरखाने में ले जाकर नाबालिग लड़की से हैवानियत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश के छतरपुर के बस स्टैंड क्षेत्र में नाबालिग लड़की के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की वारदात सामने आने के बाद सनसनी फैल गई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि देर रात तीन युवक उसे बस स्टैंड स्थित मुसाफिरखाने से अपने साथ ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और मामले में गैंगरेप सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, घटना शुक्रवार देर रात करीब 10 से 11 बजे के बीच की बताई जा रही है। पीड़िता शनिवार सुबह अपने परिजनों के साथ कोतवाली थाने पहुंची और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 8 अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस बस स्टैंड, मुसाफिरखाने और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। इसके अलावा पुलिस संभावित ठिकानों और होटलों में भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़िता सटई थाना क्षेत्र की रहने वाली है और वह अपने परिचित युवक के साथ घर से निकली थी। बताया जा रहा है कि युवक उसे बस स्टैंड पर छोड़कर कहीं चला गया, जिसके बाद कथित तौर पर तीन युवक उसे अपने साथ ले गए। फिलहाल पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की हर पहलू से जांच कर रही है। नगर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सोनी ने बताया कि मामले में गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। घटना के बाद शहर में लोगों के बीच आक्रोश का माहौल है। बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक क्षेत्र में हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

हाईवे पर डिवाइडर से टकराने के बाद पलटी बेकाबू कार, कांस्टेबल की दर्दनाक मौत, एक महिला घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शाहजहांपुर : उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के पुवायां थाना क्षेत्र में एक कार के डिवाइडर से टकरा जाने के कारण कार में सवार एक कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुवायां के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रवीण मलिक ने बताया कि हरियाणा के भिवानी-दादरी निवासी कांस्टेबल दिनेश चौधरी (30) वर्ष 2018 बैच का सिपाही था और पिछले एक वर्ष से बंडा थाने में तैनात था। शुक्रवार रात वह एक महिला के साथ कार से कहीं जा रहा था। उन्होंने बताया कि पलिया मार्ग पर भूडा-मैनारी पुल के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार चला रहे दिनेश चौधरी सीटों के बीच फंस गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दिनेश चौधरी को मृत घोषित कर दिया। सीओ ने बताया कि घायल महिला की अभी पहचान नहीं हो सकी है। उसकी हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी गई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

नोएडा के सेक्टर-63 की दो फैक्ट्रियों में भीषण आग, दमकल की 16 गाड़ियों ने पाया काबू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के डी-ब्लॉक स्थित एक गारमेंट कंपनी और एक बैग निर्माण कंपनी में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों कंपनियां जलकर खाक हो गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-63 के डी-140 स्थित 'ईगल बिजनेस कॉरपोरेशन' नामक कंपनी में दोपहर के समय आग लगी। देखते ही देखते आग ने पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद पड़ोस में स्थित डी-139 की 'शौर्य एक्सपोर्ट' कंपनी भी आग की चपेट में आ गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सीएफओ के अनुसार, आग लगने के समय फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम कर रहे थे। कुछ लोग स्वयं बाहर निकल आए, जबकि अन्य को पुलिस और दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों और इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही आग को आसपास की अन्य कंपनियों में फैलने से रोक लिया गया। इस घटना के कारण पूरे औद्योगिक क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

छुपे और सधे कदमों से आ रही है महंगाई

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स) उछलकर .696.988 अरब (लगभग ?58.5 लाख करोड़) के स्तर पर पहुंच गया है। हाल ही में, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप और विदेशी मुद्रा की कमी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम जनता से ईंधन बचाने और सोना कम खरीदने की अपील की थी।प्रधानमंत्री की इस 'आर्थिक देशभक्ति' वाली अपील के बाद से सोने के आयात और ईंधन की खपत में कमी दर्ज की गई, जिसने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा (लगभग .37.8 अरब तक) बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में .6.295 अरब का शानदार उछाल आया।इस बढ़ोतरी के साथ देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार .696.988 अरब तक पहुंच गया है।

आपको बता दें कि सरकार की सारी कोशिशें विदेशी मुद्रा भंडार को बढाने ताकि रूपये की अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बने और महंगाई को नियंत्रित किया जा सके दरअसल यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं होती, यह सीधे आम आदमी की रसोई, यात्रा, जेब और जीवन की चिंता से जुड़ी होती है। जब पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, रसोई गैस का बोश बढ़ता है, दूध के दाम चढ़ते हैं और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें ऊपर जाने लगती हैं, तो इसका असर सिर्फ बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर घर के बजट को हिला देता है। आज देश एक बार फिर ऐसे ही दौर से गुजरता दिखाई दे रहा है, जहां महंगाई की चौतरफा मार ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को प्रभावित किया है। भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति ज्यादा गंभीर है, क्योंकि हमारी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, परिवहन, बिजली और उत्पादन लागत पर पड़ता है। जब ईंधन महंगा होता है, तो खेत से मंडी, मंडी से बाजार और बाजार से घर तक हर वस्तु की बुलाई महंगी हो जाती है। यही कारण है कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि धीरे-धीरे पूरे बाजार में महंगाई का रूप ले लेती है। मई महीने के शुरुआती दिनों में ही महंगाई के कई संकेत सामने आ गए। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी ने होटल, रेस्टोरेंट, छोटे दुकानदारों और खान-पान से जुड़े कारोबारियों की परेशानी बढ़ा दी है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में करीब एक हजार रुपये तक का इजाफा छोटी दुकानों और मध्यम कारोबारियों के लिए बड़ा झटका है। इसका सीधा असर तैयार भोजन, मिठाई, चाय-नाश्ता और बाहर खाने की कीमतों पर दिख सकता है। भले ही भरेलू रसोई गैस के दाम फिलहाल स्थिर रखे गए हों, लेकिन कमर्शियल गैस की महंगाई आखिरकार आम ग्राहक तक पहुंचती ही है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी भी आम परिवारों के बजट को प्रभावित करने वाली है। दूध ऐसी वस्तु है, जिसका इस्तेमाल लगभग हर घर में होता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, चाय से लेकर मिठाई तक, दूध का महत्व रोजमर्रा के जीवन में बहुत अधिक है। अमूल और मदर डेयरी जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा प्रति लीटर कीमत में वृद्धि का असर शहरों से लेकर कस्बों तक महसूस किया जाएगा। दूध महंगा होने का मतलब केवल दूध का महंगा होना नहीं है, बल्कि दही, पनीर, मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी वृद्धि की आशंका है। पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि सबसे व्यापक असर डालती है। पेट्रोल महंगा होने से निजी वाहन चलाने वालों पर बोझ बढ़ता है, जबकि डीजल महंगा होने से माल बुलाई, बस सेवा, कृषि कार्य और उद्योगों की लागत बढ़ती है। डीजल की कीमतें बढ़ने का असर किसानों पर भी पड़ता है, क्योंकि सिंचाई, ट्रैक्टर और कृषि परिवहन में इसका उपयोग होता है। जब किसान की लागत बढ़?ती है, तो खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी दबाव बनता है। इस तरह ईंधन की महंगाई एक ऐसी श्रृंखला बनाती बनाती है, जिसका अंतिम बोझ उपभोक्ता पर ही आता है। सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी भी शहरों के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों में ऑटो, टैक्सी और सार्वजनिक परिवहन का बड़ा हिस्सा सीएनजी पर निर्भर है। सीएनजी महंगी होने से यात्रियों को अधिक किराया देना पड़ सकता है। रोजाना काम पर जाने वाले कर्मचारी, विद्यार्थी, छोटे व्यापारी और आम परिवार इससे सीधे प्रभावित होंगे। जिस सार्वजनिक परिवहन को आम आदमी की राहत माना जाता है, यदि वही महंगा हो जाए तो आम जीवन और कठिन हो जाता है। सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने का फैसला विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने की दृष्टि से समझा जा सकता है। भारत में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक परंपराओं से भी जुड़ा है। शादी-ब्याह और त्योहारों में सोने की खरीदारी आम बात है। लेकिन जब देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है, तब गैर-जरूरी आयात कम करना भी आवश्यक हो जाता है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने और ईंधन बचाने की अपील इसी आर्थिक चिंता को दर्शाती है। हालांकि, ऐसी अपील तभी सफल हो सकती है जब सरकार स्वयं भी खर्चों में संयम और नीति में स्पष्टता दिखाए। महंगाई का सबसे बड़ा असर मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई, दवा, राशन, बिजली, परिवहन और ईएमआई इन सबके बीच यदि दूध, गैस और ईंधन भी महंगे हो जाएं, तो बजट बिगड़ना स्वाभाविक है। कई परिवारों को गैर-जरूरी खर्च कम करने पड़ते हैं, बचत घटती है और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा कमजोर होती है। थोक महंगाई में वृद्धि एक गंभीर संकेत है। जब थोक स्तर पर कीमतें बढ़?ती हैं, तो कुछ समय बाद खुदरा बाजार में भी उनका असर दिखने लगता है। यही कारण है कि थोक महंगाई को आने वाली खुदरा महंगाई की चेतावनी माना जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के सामने भी स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। यदि महंगाई नियंत्रण से बाहर जाती है, तो ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना बनती है। ब्याज दर बढ़ने का अर्थ है कि होम लोन, वाहन लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाएगी। मध्यम वर्ग पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। ऐसे में ईएमआई बढ़ना उसके लिए दोहरी चोट साबित होगा। महंगाई और महंगे कर्ज का मेल अर्थव्यवस्था की मांग को भी कमजोर कर सकता है, क्योंकि लोग खर्च कम करने लगते हैं। सरकार के लिए यह समय केवल कीमतों को नियंत्रित करने का नहीं, बल्कि भरोसा बनाए रखने का भी है। आम लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार उनकी परेशानी समझ रही है और राहत देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। ईंधन पर करों की समीक्षा, जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करना, जमाखोरी पर कार्रवाई, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और कमजोर वर्गों को लक्षित सहायता देना इस समय जरूरी है। केवल अपीलों से काम नहीं चलेगा, नीति और राहत दोनों की जरूरत है। इस दौर में नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ईंधन की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, अनावश्यक खरीदारी से बचना और घरेलू खर्चों में अनुशासन समय की मांग है। लेकिन यह भी सच है कि आम आदमी से त्याग की अपील तभी प्रभावी होती है जब व्यवस्था में बैटे लोग भी मितव्ययिता का उदाहरण प्रस्तुत करें। सरकार, उद्योग, व्यापारी और उपभोक्ता सभी को मिलकर इस कठिन समय का सामना करना होगा। महंगाई का यह दौर केवल आर्थिक चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक परीक्षा भी है। कीमतों की आग यदि बेलगाम हुई, तो इसका असर केवल बाजार पर नहीं, बल्कि आम परिवारों की मानसिक शांति और जीवन स्तर पर भी पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार समय रहते संतुलित कदम उठाए, बाजार पर निगरानी रखे और आम जनता को राहत देने की दिशा में ठोस पहल करे। महंगाई की मार से सबसे अधिक वही वर्ग प्रभावित होता है, जिसकी आवाज अक्सर सबसे धीमी होती है। अब समय है कि उसी आम आदमी की चिंता को आर्थिक नीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार के सधे कदम बता रहे हैं कि उसे इसका गौर भी है और चिंता भी है इसलिये नतीजा भी अनुकूल होगा।

मनोज कुमार अग्रवाल

जनजीवन के लिए काल बनती-अवैध बारूदी फैक्ट्रियां

मध्यप्रदेश के देवास जिले के टोंककला ग्राम में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर प्रदेश में अवैध रूप से संचालित बारूद एवं पटाखा फैक्ट्रियों की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की लापरवाही और कमजोर निगरानी व्यवस्था का गंभीर प्रमाण है।

मध्यप्रदेश में इससे पहले भी बारूद फैक्ट्रियों, खदानों में विस्फोट हेतु प्रयुक्त जिलेटिन तथा अन्य विस्फोटक सामग्री के गोदामों और दुकानों में आगजनी एवं विस्फोट की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। पेटलावद विस्फोट का भयावह मंजर आज भी लोगों की स्मृतियों में ताजा है, जिसमें अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए थे। इसके बावजूद प्रदेश के कई नगरों और कस्बों में अवैध बारूदी कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है। परिणामस्वरूप घरों, गोदामों और फैक्ट्रियों में होने वाले विस्फोटों में अब तक सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध रूप से बारूद, पटाखों और विस्फोटक सामग्री का कारोबार फल-फूल रहा है। आए दिन होने वाले विस्फोट यह साबित करते हैं कि प्रशासनिक तंत्र या तो पूरी तरह निष्क्रिय है अथवा ऐसे अवैध कारोबारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति का अभाव है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आधुनिक हाईटेक तकनीक, सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक निगरानी के दावों के बावजूद आखिर अवैध बारूदी फैक्ट्रियां कस्बों, गांवों और राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास कैसे संचालित हो रही हैं? यदि शासन-प्रशासन वास्तव में सतर्क और जवाबदेह है, तो फिर ऐसे मौत के कारखाने वर्षों तक बिना रोक-टोक कैसे चलते रहते हैं? दुर्भाग्य यह है कि हर बड़े हादसे के बाद प्रशासन कुछ दिनों तक दिखावटी कार्रवाई करता है, जांच समितियां गठित होती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, लेकिन समय बीतते ही सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है।

नतीजा यह होता है कि मासूम नागरिक बार-बार प्रशासनिक लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर चुकाते हैं। अब समय आ गया है कि राज्य और केंद्र सरकारें इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लें। केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि अवैध बारूदी फैक्ट्रियों, विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण और बिना लाइसेंस संचालित कारोबार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाना चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, घनी आबादी वाले इलाकों तथा नेशनल हाईवे के आसपास संचालित ऐसी फैक्ट्रियों को तत्काल बंद कराया जाना आवश्यक है। जनजीवन की सुरक्षा किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे बारूदी विस्फोट भविष्य में भी निर्दोष लोगों की जिंदगी निगलते रहेंगे।

अरविंद रावल

भारत की वैश्विक कूटनीति का नया अध्याय ऊर्जा सुरक्षा रक्षा साझेदारी और तकनीकी सहयोग की मजबूत उड़ान

भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तेजी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ी है, उसने दुनिया की बड़ी शक्तियों को भी भारत की ओर नए नजरिए से देखने के लिए मजबूर किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड यात्रा इसी बदलते भारत की तस्वीर पेश करती है। यह केवल औपचारिक विदेश दौरा नहीं था, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, निवेश, तकनीक, व्यापार और वैश्विक रणनीति को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। खास बात यह रही कि यूएई की यात्रा भले ही ढाई से तीन घंटे की रही, लेकिन उसके परिणाम बेहद व्यापक और दूरगामी दिखाई दे रहे हैं।

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूनाइटेड अरब अमीरात आज भारत का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी का अबू धाबी पहुंचना और वहां राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायज अल नाहयान द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करना दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का संकेत था। यूएई एयरफोर्स के एफ-16 लड़ाकू विमानों द्वारा प्रधानमंत्री के विमान को एयर एस्कॉर्ट दिया जाना केवल सुरक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि भारत के प्रति सम्मान और विश्वास का प्रतीक माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसे भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान बताया। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा क्षेत्र में हुए समझौते रहे। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण उसकी ऊर्जा आवश्यकताएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में यूएई के साथ एलपीजी आपूर्ति को लेकर हुआ दीर्घकालीन समझौता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे भारत को भविष्य में गैस आपूर्ति की स्थिरता मिलेगी और वैश्विक संकटों के समय भी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच यह समझौता और अधिक अहम हो जाता है।

रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को लेकर दोनों देशों के बीच हुआ समझौता भी भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। यूएई की राष्ट्रीय तेल कंपनी द्वारा भारत के रणनीतिक तेल भंडार में भागीदारी बढ़ाने का निर्णय इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल ऊर्जा खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा के वैश्विक ढांचे में महत्वपूर्ण भागीदार बन रहा है। संकट के समय तेल भंडार किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी होते हैं। ऐसे में भारत का यह कदम भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी माना जा रहा है। इस यात्रा का दूसरा बड़ा पहलू रक्षा और सामरिक सहयोग रहा। भारत और यूएई ने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह भविष्य में बड़ी रक्षा साझेदारी की शुरुआत हो सकती है। पश्चिम एशिया में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत, यूएई और इजराइल के बीच उभरती रणनीतिक तिकड़ी दुनिया की नई शक्ति संरचना की ओर इशारा कर रही है। हाल के संघर्षों में यूएई पर हुए हमलों ने उसकी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया है और ऐसे समय में भारत का समर्थन यूएई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूएई द्वारा भारत में लगभग 48 हजार करोड़ रुपए निवेश की घोषणा भी इस दौरे की बड़ी उपलब्धि रही। बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिपिंग और तकनीक जैसे क्षेत्रों में यह निवेश भारत की आर्थिक प्रगति को गति देगा। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता समुद्री व्यापार और जहाज निर्माण क्षेत्र में भारत की क्षमता को मजबूत करेगा। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और भारत वैश्विक समुद्री लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकेगा।

तकनीकी क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। भारत में 8-एक्साफ्लॉप सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के लिए हुए करार से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के क्षेत्र में भारत को नई शक्ति मिलेगी। आज दुनिया एआई आधारित तकनीक की ओर तेजी से बढ़ रही है और भारत इस दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहता। ऐसे समझौते भारत को तकनीकी महाशक्ति बनाने की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं।

यूएई यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी का नीदरलैंड दौरा भी रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीदरलैंड यूरोप का प्रमुख व्यापारिक और तकनीकी केंद्र है। प्रधानमंत्री मोदी ने वहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बताया और कहा कि भारत अब वैश्विक विकास का इंजन बनना चाहता है। यह बयान केवल राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि भारत की बदलती आर्थिक वास्तविकता को दर्शाता है।

नीदरलैंड के साथ भारत के संबंध व्यापार, तकनीक, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में तेजी से मजबूत हो रहे हैं। भारत इस समय सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दे रहा है और इसी कारण डच तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से एएसएमएल जैसी कंपनियां अत्याधुनिक चिप निर्माण तकनीक में विश्व अग्रणी हैं। भारत यदि इस क्षेत्र में मजबूत साझेदारी स्थापित कर लेता है तो वह वैश्विक तकनीकी सप्लाई चेन में बड़ी भूमिका निभा सकता है। नीदरलैंड द्वारा 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोलकालीन तांबे की पट्टिकाएं भारत को लौटाना भी दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह केवल पुरातात्विक वस्तुओं की वापसी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति बढ़ते वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। औपनिवेशिक दौर में बाहर ले जाई गई धरोहरों की वापसी भारत के आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ी हुई है।

आज भारत की विदेश नीति केवल कूटनीतिक मुलाकातों तक सीमित नहीं रह गई है। यह अब ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक साझेदारी, रक्षा सहयोग, तकनीकी विकास और सांस्कृतिक सम्मान जैसे बहुआयामी लक्ष्यों पर आधारित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की यूएई और नीदरलैंड यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब वैश्विक राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने की तैयारी कर चुका है। पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक भारत की बढ़ती स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि दुनिया भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार के रूप में देख रही है। इन यात्राओं ने यह भी दिखाया है कि भारत की विदेश नीति अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि सक्रिय और दूरदर्शी बन चुकी है। ऊर्जा से तकनीक तक, रक्षा से व्यापार तक और संस्कृति से कूटनीति तक भारत हर क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। आने वाले वर्षों में यही रणनीति भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में और अधिक मजबूत बनाएगी।

कांतिलाल मांडोत वरिष्ठ पत्रकार

भोजशाला सरस्वती मंदिर था, है और रहेगा

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने वर्षों पुराने धार स्थित भोजशाला विवाद पर ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि भोजशाला के अवशेष, स्थापत्य और उपलब्ध साक्ष्य इसे माँ सरस्वती के मंदिर के रूप में स्थापित करते हैं। इस निर्णय के बाद न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश में हिंदू समाज में संतोष और उत्साह का वातावरण है। हालाँकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताते हुए अपने दावे पर कायम है और संभावना है कि वह इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। किंतु भोजशाला परिसर से प्राप्त मंदिर संबंधित पुरातात्विक प्रमाणों और ऐतिहासिक तथ्यों को सर्वोच्च न्यायालय के लिए भी नकार पाना आसान नहीं होगा। यदि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचता है, तो आने वाले वर्षों में वहाँ से भी मंदिर पक्ष में निर्णय आने की पूरी संभावना दिखाई देती है। तब देश में वैसा ही वातावरण निर्मित होगा जैसा अयोध्या निर्णय के समय देखने को मिला था।

धार स्थित भोजशाला का निर्माण परमार वंश के महान प्रतापी राजा भोज ने कराया था। यहाँ वाग्देवी माँ सरस्वती की दिव्य प्रतिमा स्थापित थी। राजा भोज का उद्देश्य धार को शिक्षा, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रमुख केंद्र बनाना था। भोजशाला केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय विद्या, साहित्य और दर्शन की गौरवशाली धरोहर थी। लेकिन विदेशी मुस्लिम आक्रमणकारियों के उस दौर में, जब भारत के प्रसिद्ध मंदिरों को तोड़कर उन पर मस्जिदें खड़ी करने का अभियान चलाया गया, तब राजा भोज की नगरी धार भी उसका शिकार बनी। भोजशाला सहित अनेक हिंदू मंदिरों को खंडित कर उनका स्वरूप बदल दिया गया। यही कारण है कि अयोध्या, काशी, मथुरा और भोजशाला जैसे अनेक धार्मिक स्थलों के विवाद आज तक देश की सामाजिक और सांप्रदायिक चेतना को प्रभावित करते रहे हैं। विडंबना यह है कि हिंदू आस्था और संस्कृति के प्राचीन प्रतीकों को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अदालतों की चौखट तक जाना पड़ रहा है। किंतु हर बार पुरातात्त्विक साक्ष्य, ऐतिहासिक तथ्य और स्थापत्य की भाषा अंततः उसी सत्य की ओर संकेत करती है कि अनेक मंदिरों को ध्वस्त कर उन पर इस्लामी ढाँचे खड़े किए गए थे।

अरविंद रावल

कविता

विश्व परिवार दिवस पर कविता

परिवार है अनमोल खजाना

न छत चाहिए महलों जैसी,
न दौलत का अंबार चाहिए,
माँ की ममता, पिता का साया,
बस ये परिवार चाहिए।
दादा-दादी की कहानियों में,
बचपन फिर से जी लेते हैं,
भाई-बहन की नोक-झोंक में, सारे गम पी लेते हैं।

सुख में हँसते सब मिल-जुलकर,
दुख में सबकी आँख नम हो, एक थाली में खाते सब जब,
तो हर निवाला हमदम हो।

मोबाइल में उलझी दुनिया में,
कुछ पल अपनों के नाम करो,
15 मई का दिन है आया,
परिवार को सलाम करो।

क्योंकि परिवार ही वो मंदिर है,
जहाँ रिश्ते भगवान होते हैं,
खून के नहीं, दिल के रिश्ते से,
यहाँ इंसान महान होते हैं।

डॉ. विवेकानंद उपाध्याय

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है।

जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

कृष्ण जन्म प्रसंग सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आनापुर गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म का पावन प्रसंग सुनाया। जैसे ही कथा में कृष्ण जन्म की घड़ी आई पूरा परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के संकीर्तन से गूंज उठा। श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा व्यास सुमित जी महराज ने बताया कि जब जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है तब तब भगवान स्वयं अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं। उन्होंने अजामिल की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान के नाम का जाप ही मनुष्य को भवसागर से पार कर देता है। नाम स्मरण की शक्ति से ही अजामिल ने यमराज को परास्त कर भगवान को प्राप्त किया। कृष्ण जन्म प्रसंग सूनाते हुए कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण संपूर्ण विश्व के गुरु हैं। उन्होंने बताया कि भगवान के जन्म के समय कारागार के बंधन टूट गए। सुरक्षा में लगे पहरेदार चिर निद्रा में चले गए। कृष्ण का जन्म होते ही पूरा वातावरण आनंद से भर गया। यह दृश्य सुनते ही श्रद्धालु आनंदित हो गए। भगवान श्री कृष्ण की सुंदर झांकी निकाली गई भक्तों ने आतिशबाजी कर कृष्ण जन्म का आनंद लिया। आयोजन में रामआसरे साहू, राजेश, अनुराग, संजय प्रधान, बीरेंद्र सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

योगी सरकार का बाढ़ के खतरे पर 'एक्शन प्लान', खेती और आबादी को बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम तेज

लखनऊ। योगी सरकार इस वर्ष मानसून के दौरान जीरो जनहानि और कृषि भूमि को कम से कम नुकसान सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुटा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नालों की सफाई, तटबंधों की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन समेत तमाम उपाय आगामी मानसून के दौरान बड़ी राहत साबित होंगे। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है ताकि पहली जून से इन्हें संचालित किया जा सके। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुताबिक इस वर्ष रिकॉर्ड गति से कार्य करते हुए अब तक लगभग 4 हजार किलोमीटर लंबाई के तटबंधों को सुरक्षित किया गया है। वहीं नदियों-नालों के किनारे बसे गांवों और कृषि भूमि को कटान से बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन्हें 15 जून 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। संवेदनशील और अति-संवेदनशील स्थानों पर कटाव निरोधक कार्य पूरे किए जा रहे हैं। नदियों के किनारों पर पत्थर की पिचिंग और जियो-बैग्स का उपयोग कर सुरक्षा घेरा भी मजबूत किया जा रहा है। विभाग के मुताबिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मार्च 2026 तक 16 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई में नालों की सिल्ट सफाई का काम पूरा हो चुका है। बारिश शुरू होने से पहले बचे सभी संवेदनशील जगहों पर सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके जरिए भारी बारिश होने पर पानी की निर्बाध निकासी से फसलों और गांव-बस्तियों को डूबने से बचाया जा सकेगा। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की तरफ से लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज समेत प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बाढ़ और प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी के लिए यह कक्ष 15 जून से 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। जलस्तर की रियल टाइम निगरानी और आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई इनके जरिए सुनिश्चित कराई जाएगी।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष फायरिंग तीन सगे भाइयों को लगी गोली, दो की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के कल्लू का पुरवा मजरे कोरिहरा गांव में शुक्रवार को जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग में तीन सगे भाई गोली लगने से घायल हो गए। जबकि उनके चाचा को भी मारपीट में चोटें आई हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गांव निवासी शिवप्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नगर की जीवनदीप टॉकीज के पीछे बंजर भूमि पर जेसीबी से रास्ता बनाया जा रहा था। इसी बात को लेकर गांव के विजय बहादुर, बाल्हेश्वर, उनके बेटे अतुल, अंकित व अनुज समेत ऊसरहा का पुरवा निवासी शिवम, सेखवापुर गांव के भल्ले लोधी और खैरानी निवासी विवेक स्कार्पियो से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने लाठी-डंडों और कुल्हाड़ियों से हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इसी दौरान अतुल यादव ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से कई राउंड फायरिंग की। गोली लगने से मनोज, रामचंद्र और प्रमोद घायल हो गए। मनोज के जांघ में गोली लगी है जबकि रामचंद्र के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इमरजेंसी में तैनात डॉ. सत्यजीत ने बताया कि मारपीट में घायल चार लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें तीन लोगों को गोली लगने की बात सामने आई। मनोज और रामचंद्र की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया है। डॉक्टरों ने गोली लगने की पुष्टि के लिए घावों के सैंपल भी सुरक्षित कर लिए हैं। पीड़ित पक्ष ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ पुलिस को नामजद तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीडित के तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही।

पुलिस विभाग में तैनात हैं दो आरोपी- पीड़ित पक्ष के अनुसार आरोपी अतुल यादव और अंकित यादव सगे भाई हैं। दोनों उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात बताए गए हैं। अतुल यादव कानपुर के चकेरी थाने में तैनात है जबकि उसका भाई अंकित यादव सुल्तानपुर में कार्यरत है। आरोप है कि अतुल यादव ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से कई राउंड फायरिंग की।

लगातार बारिश से सिलचर में कृत्रिम बाढ़, कई इलाके जलमग्न

● हर साल जलभराव से जूझता शहर, प्रशासन पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के सिलचर में लगातार बारिश के कारण के एक बार फिर कृत्रिम बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। शहर के कई इलाके पानी में डूब गए, जबकि बिलपार, राधामाधव पथ, विवेकानंद पथ, लिंक रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र की स्थिति सबसे अधिक भयावह देखी गई। हाल के वर्षों में सिलचर में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या लगातार सामने आती रही है। गत 14 और 15 मई शुक्रवार को हुई लगातार बारिश के चलते बिलपार, आश्रम रोड, लिंक रोड और विवेकानंद पथ समेत कई क्षेत्रों की सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गईं। कई जगहों पर लोगों को कमर तक पानी में होकर गुजरना पड़ा। विवेकानंद पथ में लोगों को जान जोखिम में डालकर पानी के बीच शव को श्मशान तक ले जाते हुए देखा गया।

जल निकासी व्यवस्था की पोल खुली

बारिश के साथ ही शहर की जल निकासी व्यवस्था की कमजोरियां फिर सामने आ गई। नालों की सफाई और पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कें, दुकानें और घर पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के समय यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन की ओर से स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता। लोगों ने सवाल उठाया कि सर्दियों के दौरान नालों की सफाई और ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने का काम क्यों नहीं किया गया।

'हर साल वादे, लेकिन समाधान नहीं '

शहरवासियों का आरोप है कि वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से केवल आश्वासन ही दिए जाते हैं। कई क्षेत्रों में नालियां कचरे और गाद से भरी हुई हैं, जिसके कारण बारिश का पानी निकल नहीं पाता। सिलचर में जलनिकासी और बाढ़ की समस्या को लेकर पहले भी लोगों में नाराजगी देखी गई है।

बड़ा हादसा होने की आशंका

लगातार जमा पानी के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन शहर में जलभराव और निकासी की समस्या को दूर करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

महमूदाबाद-फतेहपुर मार्ग पर देर रात भीषण हादसा

● भूसा लदे ट्रैक्टर-ट्रॉला की टक्कर से कार में लगी आग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर)- जनपद के महमूदाबाद-फतेहपुर मार्ग पर गुलरामऊ गांव के पास देर रात करीब 11:30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मार्ग पर जा रही कार को भूसा लदे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉला ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बनकर पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत यह रही कि कार में सवार लोग समय रहते फुर्ती से बाहर निकल आए, जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के बाद ट्रैक्टर लेकर चालक फरार हो गया।

चश्मदीदों के मुताबिक, कार रात के सन्नाटे में अपने गंतव्य की ओर जा रही थी, तभी गुलरामऊ के पास ओवरलोड भूसा लदे ट्रैक्टर-ट्रॉला ने उसे चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही कार के अगले हिस्से से चिंगारी उठी और आग की लपटें निकलने लगीं। कार सवारों को सुरक्षित निकलता देख और घटना को बिगड़ता देख ट्रैक्टर चालक मौके का फायदा उठाकर अपना वाहन लेकर रात के अंधेरे में तेजी से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। वही धूं-धूं कर जलती कार देखकर हाईवे पर हड़कंप मच गया। रात के वक्त लगी इस भीषण आग से हाईवे पर हड़कंप मच गया। यात्रियों के उतरते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। राहगीरों और ग्रामीणों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि कार चंद मिनटों में लोहे के कंकाल में बदल गई।

राशन की दुकान पर बड़ा फर्जीवाड़ा, कोटेदार पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज

● खाद्यान्न की कालाबाजारी का सनसनीखेज खुलासा

अंगूठा लगवाकर राशन हड़पने और घटतौली का घिनौना खेल उजागर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर तहसील महमूदाबाद क्षेत्र के अंतर्गत विकास खंड रामपुर मथुरा की ग्राम पंचायत शुकुलपुरवा में गरीबों के राशन पर डाका डालने का एक बड़ा और सनसनीखेज मामला सामने आया है। महमूदाबाद की क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक निशी अग्रवाल की तहरीर पर रामपुर मथुरा पुलिस ने उचित दर विक्रेता सपना भारती के खिलाफ गंभीर कानूनी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रशासनिक स्तर पर हुई इस अचानक और कड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के भ्रष्ट राशन डीलरों में हड़कंप मच गया है। मामला तब खुला जब पूर्ति निरीक्षक ने शुकुलपुरवा स्थित उचित दर दुकान का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कोटेदार सपना भारती खुद दुकान से नदारद मिलीं और दुकान का संचालन अनधिकृत रूप से उनके ससुर कुवंर चन्द्र और पति आजाद द्वारा किया जा रहा था। जब भौतिक सत्यापन किया गया, तो विभागीय आंकड़ों और मौके पर मौजूद स्टॉक में जमीन-आसमान का अंतर पाया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दुकान में 53.43 क्विंटल गेहूं, 80.11 क्विंटल चावल और 0.69 क्विंटल चीनी शेष होनी चाहिए थी, लेकिन मौके पर मात्र 3 बोरी चावल, 7 बोरी गेहूं और 25 किलोग्राम खुला गेहूं ही मिला। जांच रिपोर्ट में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि कोटेदार द्वारा कुल 49.68 क्विंटल गेहूं, 78.61 क्विंटल चावल और 0.69 क्विंटल चीनी का गंभीर दुरुपयोग करते हुए उसे खुले बाजार में कालाबाजारी की गई। कार्डधारकों के बयान से 'घटतौली और फर्जीवाड़े' का घिनौना सच उजागर हुआ है।जांच अधिकारी ने जब ग्राम पंचायत के दर्जनों कार्डधारकों से पूछताछ की और उनके लिखित बयान दर्ज किए, तो कोटेदार की जालसाजी की परतें खुलती चली गईं, कार्डधारिका शिव लोचनी, फूलमती व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार के पति और ससुर उनसे ई-पॉस (e-POS) मशीन पर अंगूठा लगवा लेते थे, लेकिन राशन या तो दिया ही नहीं जाता था या फिर बेहद कम दिया जाता था। वहीं आरती देवी व अन्य ने आरोप लगाया कि जब वे राशन घर लाकर तौलते थे, तो उसमें 3 से 6 किलो तक की भारी घटतौली मिलती थी। कई लाभार्थियों ने बताया कि कोटेदार महीनों से अपनी मायके जनपद बहराइच में रह रही हैं और दुकान पूरी तरह से उनके परिजनों के अवैध कब्जे में है। पूर्ति निरीक्षक की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपी कोटेदार सपना भारती के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(5) (अमानत में खयानत/फर्जीवाड़ा) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। नियमों और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा नियमावली-2016 का सरेआम उल्लंघन करने पर दुकान का अनुबंध पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की संस्तुति की जा चुकी है।

साथ ही, जब्त किए गए बचे हुए राशन को पास की ग्राम पंचायत कनरखी की उचित दर दुकान संचालक ममता तिवारी को सुपुर्द कर दिया गया है ताकि ग्रामीणों को राशन मिलता रहे। प्रशासन की इस धमाकेदार कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाले किसी भी भ्रष्ट तंत्र को बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

एल्पिस ग्लोबल स्कूल में मेधावी अलंकरण समारोह हर्षोल्लाह एवं गरिमामय वातावरण में हुआ सपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर- नगर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल स्कूल में मेधावी अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी, प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा एवं सबा मैम द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को माल्यार्पण, गुलदस्ते एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। साथ ही विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अभिभावकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में माता-पिता का त्याग, अनुशासन एवं सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय की छात्रा विभूति वर्मा ने 96.80% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर एवं जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उम्मे हानी ने 94.20%, भाव्या अग्रवाल ने 93.40%, आकृति अग्रवाल ने 92.60%, कशिश खेतान एवं रेहान अंसारी ने 92.40%, शौनक शुक्ला ने 91.00%, श्रेयांश अवस्थी ने 90.80%, रोहन राज एवं अविनाश वर्मा ने 90.40% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त दैविक रस्तोगी (89.00%), आयुषी शर्मा (88.80%), स्तुति अग्रवाल (88.60%), सक्षम अग्रवाल (88.00%), माही अग्रवाल एवं आत्यंतिक रस्तोगी (87.20%), मोहम्मद हसन बदर, महक दीप कौर एवं अक्षत वर्मा (87.00%), कौस्तुभ द्विवेदी (86.60%), अल्तमश (86.20%), आयुषी त्रिवेदी (85.80%), अनमोल वर्मा (85.40%) तथा पियूष मिश्रा (84.80%) ने भी शानदार सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का परिणाम होती है तथा अभिभावकों का सहयोग विद्यार्थियों की सफलता में अतुलनीय भूमिका निभाता है। प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने वाले विद्यार्थी ही सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में आशीर्वचन एवं जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इकाना स्टेडियम में CSK और LSG के मैच के दौरान एक दर्शक की तबीयत खराब

● युवक को सीने में दर्द की शिकायत थी। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। आईपीएल में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच के दौरान इकाना स्टेडियम में एक दर्शक की तबीयत खराब हो गई। उसको मेडिकल टीम ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। माना जा रहा है कि दर्शक को हार्ट अटैक आया है। लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स मैच के दौरान एक दर्शक की अचानक तबियत खराब हो गई। वह दर्शक दीर्घा में बेहोश हो गया। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा। युवक को सीने में दर्द की शिकायत थी। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। पीली जर्सी पहले युवक की तबीयत खराब होने पर पुलिसकर्मी दर्शक दीर्घा से नीचे लाए और फिर व्हील चेयर पर बैठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इकाना स्टेडियम में सीएसके के फैन की तबीयत बिगड़ी तो उसको मेडिकल टीम ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। माना जा रहा है कि युवक को हार्ट अटैक आया है।

यूपी की सभी गोशालाओं में होगी कृषि सखियों की तैनाती

लखनऊ। योगी सरकार गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और जैविक खेती से जोड़कर नए रोजगार माडल के रूप में विकसित करेगी। सरकार के मास्टर प्लान के अनुसार सभी 75 जिलों की साढ़े सात हजार से अधिक गोशालाओं में कृषि सखियों की तैनाती की जाएगी। उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन की महिलाओं को विशेष भूमिका सौंपी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को गो संरक्षण में सहभागी बनाने के लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गोशालाओं को जैविक कृषि के माडल के रूप में विकसित किया जाएगा। गोबर का उपयोग बड़े पैमाने पर जैविक खाद तैयार करने में होगा। महिलाओं के माध्यम से खाद निर्माण इकाइयां संचालित की जाएंगी। किसानों की रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होगी। खेती की लागत घटेगी और मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी। उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन से जुड़ी कृषि सखियां इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनेंगी।

तहजीब के शहर में बजा टेक्नोलॉजी का डंका

● लखनऊ में 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव' में यूपी ने दिखाया ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रोडमैप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजनरी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक छवि को पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे बड़े 'टेक्नोलॉजी और एआई इनोवेशन हब' के रूप में नई पहचान बना रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नवाबों के शहर लखनऊ में 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026' का भव्य आयोजन किया गया, जहाँ देशभर से आए 50 से अधिक वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के डिजिटल कायाकल्प पर मंथन किया। यह कॉन्क्लेव केवल एक चर्चा का मंच नहीं, बल्कि यूपी को तकनीक के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कॉन्क्लेव के दौरान 'द एआई-पावर्ड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटर' विषय पर आयोजित विशेष वर्कशॉप में डॉ. सुबी चतुर्वेदी (संस्थापक, NIHIT) ने भविष्य की गवर्नेंस का खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ अब केवल तहज़ीब का केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार का सबसे उपयुक्त केंद्र बनकर उभरा है। इनमोबी जैसी डीपटेक कंपनियों के आगमन और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते प्रदेश में रिसर्च, टैलेंट और आंत्रप्रेन्योरशिप का एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश को भारत की डिजिटल शक्ति का केंद्र बना देगा। योगी सरकार ने एआई की शक्ति को समझते हुए लखनऊ की वृंदावन योजना में 368 करोड़ की लागत से देश की पहली 'एआई सिटी' (AI City) को हरी झंडी दे दी है। इसके साथ ही, 'यूपी एआई मिशन' के लिए 225 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को नई उड़ान देगा। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह के अनुसार, यह डिजिटल क्रांति उत्तर प्रदेश

के 'ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य को हासिल करने में गेम-चेंजर साबित होगी। सरकार का ध्यान केवल तकनीक के विस्तार पर ही नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग पर भी है। आईटी प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि एआई, क्वांटम और डीपटेक के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। वर्कशॉप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'MANAV' फ्रेमवर्क का उल्लेख करते हुए डॉ. चतुर्वेदी ने जोर दिया कि भविष्य की तकनीक का केंद्र 'मानव' होना चाहिए। जवाबदेह और सुलभ एआई के माध्यम से ही समावेशी विकास और भरोसेमंद तकनीकी भविष्य का सपना साकार किया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर रिश्वत लेते वीडियो वायरल

लखनऊ। क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय, लखनऊ में उपनिदेशक पर्यटन के पद पर तैनात डॉ कल्याण सिंह को रिश्वत लेने के प्रकरण में निलंबित कर दिया गया है। इनका रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। निलंबन के बाद उन्हें पर्यटन निदेशालय, लखनऊ से संबद्ध किया गया है। डॉ कल्याण सिंह के रिश्वत लेने के प्रकरण को शासन ने गंभीर अनुशासनहीनता, निरंकुश कार्यशैली और भ्रष्ट आचरण माना है। उनके खिलाफ गंभीर कदाचार और भ्रष्टाचार के आरोपों में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। दोष सिद्ध होने पर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है। डॉ कल्याण सिंह का अभी कुछ दिन पहले रिश्वत लेते हुए वीडियो सामने आया था, जिसमें उपनिदेशक एक व्यक्ति से रिपोर्ट लगाने के लिए 500 रुपये के नोटों की गड्डी लेकर दराज में रखते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि निलंबित उपनिदेशक कल्याण सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। उनका दावा है कि वीडियो में उनकी आवाज बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी डीपफेक का इस्तेमाल किया गया है।

चुनाव टलने की आशंका के बीच लामबंद हुए ग्राम प्रधान

● सैकड़ों प्रधानों के हस्ताक्षर, आंदोलन की सुगबुगाहट

ग्राम पंचायतें ग्रामीण प्रशासन की आधारशिला हैं अगर इन्हें निष्क्रिय किया गया, तो शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन पूरी तरह प्रभावित होगा

ब्रजेश कुमार वर्मा (पप्पू), अध्यक्ष, अखिल भारतीय प्रधान संगठन, महमूदाबाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बादलों के बीच अब ग्रामीण राजनीति गरमाने लगी है। सीतापुर जिले के महमूदाबाद विकास खंड के ग्राम प्रधानों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। 'अखिल भारतीय प्रधान संगठन' के बैनर तले प्रधानों ने उपजिलाधिकारी महमूदाबाद के माध्यम से सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में साफ तौर पर कहा गया है कि महमूदाबाद क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों का कार्यकाल आगामी 26 मई, 2026 को समाप्त होने जा रहा है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समय पर पंचायत चुनाव संपन्न होने की संभावना बेहद कम और अनिश्चित नजर आ रही है। ग्राम प्रधानों का कहना है कि अगर समय पर चुनाव नहीं हुए या कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो ग्रामीण स्तर पर चल रहे विकास कार्य पूरी तरह ठप हो जाएंगे। आम जनता को अपनी रोजमर्रा की समस्याओं के लिए भटकना पड़ेगा और जनकल्याणकारी योजनाएं अधर में लटक जाएंगी।

ज्ञापन में प्रधानों ने दो 'धमाकेदार' शर्तें रखकर सरकार के पाले मे गेंद डाल दी है। प्रशासनिक ठप-व्यवस्था से बचने के लिए संगठन ने मुख्यमंत्री के सामने दो प्रमुख विकल्प रखते हुए ठोस व्यवस्था करने की मांग की है, पहली समस्या में कार्यकाल का विस्तार बढाया जाना, या तो ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को आवश्यकतानुसार आगे बढ़ा

दिया जाए। दूसरी मांग है कि जब तक चुनाव नहीं होते, तब तक वर्तमान ग्राम प्रधानों को ही 'प्रशासक' के रूप में कार्यभार सौंप दिया जाए ताकि गांवों में चल रहे विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहे। इस मांग पत्र पर क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधानों जिनमें शुद्धि देवी, प्रियंका वर्मा, सोबरन लाल, शशी वर्मा, शशिलता, सुशस्ती, चेतराम, रामखेलवान सहित भारी संख्या में महिला व पुरुष प्रधान शामिल रहे। प्रधानों ने अपने हस्ताक्षर कर एकजुटता दिखाई है। अब देखना यह होगा कि क्या उत्तर प्रदेश सरकार इन ग्राम प्रधानों की मांग पर मुहर लगाते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाती है या फिर गांवों का जिम्मा सरकारी अधिकारियों (प्रशासकों) के हाथों में सौंपती है। इस फैसले पर पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की नजरें टिकी हुई हैं!

संक्षिप्त खबरें

मनी लॉन्ड्रिंग मामलाः जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी अल फलाह ट्रस्ट के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। ट्रायल कोर्ट ने 2 मई को सिद्दीकी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। सिद्दीकी को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला फरीदाबाद में उनके शिक्षण संस्थान में छात्रों द्वारा दी गई फीस से अवैध फंड जुटाने से जुड़ा है।

पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए नई पहल, NDMC ने कर्मचारियों के लिए शुरू की शटल सेवा

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर ईंधन बचत के लिए एनडीएमसी ने भी पहल की है। कर्मचारियों को निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन सेवा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कर्मचारियों की सहूलियत के लिए एनडीएमसी ने शुक्रवार से शटल सेवा भी शुरू की। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलदीप चहल ने सुबह जोर बाग मेट्रो स्टेशन के पास हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरुआत की। शटल में स्वयं भी सफर किया। यात्रा के दौरान कर्मचारियों से संवाद कर ईंधन बचत को लेकर उनके विचारों को जाना।

दिल्ली के शास्त्री पार्क में पार्किंग मालिक को मारी गोली, गैंगस्टर साबिर चौधरी गिरोह ने की वारदात

दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में वीरवार रात गैंगस्टर साबिर चौधरी गिरोह के बदमाशों ने पार्किंग संचालक के कंधे में गोली मार दी। बदमाश पार्किंग में चोरी की कोशिश कर रहे थे। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। घायल हालत में एहसान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से उन्हें जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। एहसान अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क बुलंद मस्जिद क्षेत्र में रहते हैं। वह इलाके में ही एक पार्किंग चलाते हैं। आरोप है रात को पार्किंग में दो बदमाश आए और चोरी करने लगे। संचालक ने विरोध किया तो बदमाशों ने कहा कि वे साबिर चौधरी गिरोह से हैं। पिस्टल निकालकर संचालक के कंधे में गोली मार दी।

बाल-बाल बचा दिल्ली एयरपोर्ट का कार्गो टर्मिनल, माल ढोने वाले वाहन में लगी आग

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर बृहस्पतिवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सामान ढोने वाले एक वाहन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग वाहन से आगे नहीं फैला और इसे समय रहते नियंत्रित कर लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

फोर्कलिफ्ट से आग की लपटें उठने लगीं

सूत्रों के मुताबिक, यह घटना दिन में दो बजे की है। घटना कार्गो टर्मिनल के उस हिस्से में हुई जहां शिपमेंट की आवाजाही जारी थी। तभी सामान ढोने के लिए इस्तेमाल होने वाले एक फोर्कलिफ्ट से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। इससे पहले कि आग विकराल रूप धारण करती या आसपास रखे अन्य शिपमेंट को अपनी चपेट में लेती, वहां तैनात कर्मचारियों और मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए टर्मिनल पर लगे अग्निशामक यंत्रों का तुरंत इस्तेमाल शुरू कर दिया।

दमकल ने समय रहते आग फैलने से रोकी

अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले लोगों की तत्परता से आग आगे नहीं फैल सकी। जैसे ही अग्निशमक दस्ता पहुंचा, उसने कुछ ही मिनटों में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि आग के कारण फोर्कलिफ्ट को काफी नुकसान पहुंचा है। आग कैसे लगी, फिलहाल इसके कारणों का सटीक पता नहीं चल पाया है।

मुंबई में सनसनी.. पत्नी के सामने प्रेमी का गला रेतकर हत्या, 3 घंटे में आरोपी फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई के गोरेगांव पूर्व स्थित आरे पुलिस स्टेशन की हद में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक खौफनाक वारदात सामने आई है। पत्नी पर अवैध संबंधों के शक में एक पति ने पहले पत्नी और उसके कथित प्रेमी को घर बुलाकर साथ में शराब पिलाई, फिर फिल्मी अंदाज़ में पत्नी के सामने ही उसके प्रेमी की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन आरे पुलिस ने तेजी दिखाते हुए महज 3 घंटे के भीतर आरोपी को फिल्मी स्टाइल में दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया और हत्या की गुत्थी सुलझा दी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान भीमराज ओमप्रकाश शर्मा (48) के रूप में हुई है, जबकि मृतक का नाम विकास अशोक भुसारे बताया गया है। दोनों आरे कॉलोनी इलाके के यूनिट 5 नंबर में रहते है.. आरोपी भीमराज की पत्नी को मृतक विकास भुसारे ने पहले छेड़ा था, जिसकी शिकायत आरोपी ने किया था लेकिन उसके बाद भी मृतक बार बार आरोपी की पत्नी के साथ मिलता था और संपर्क बनाए रखा था जिसका गुस्सा आरोपी भीमराज को था इसी कारण हत्या कर दी..

शक बना खून की वजह

आरे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रविंद्र पाटील के मुताबिक आरोपी भीमराज को लंबे समय से अपनी पत्नी और विकास भुसारे के बीच संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर वह कई बार अपनी पत्नी के साथ मारपीट भी कर चुका था। लेकिन इस बार आरोपी ने खौफनाक साजिश रची। उसने विकास को अपने घर बुलाया और पत्नी के साथ मिलकर शराब पार्टी का प्लान बनाया। देर रात तीनों ने साथ बैठकर शराब पी। जब सभी नशे में थे, तभी आरोपी ने विकास को समझाने के अंदाज़ में कहा – 'मेरे घर बार-बार क्यों आते हो, अब दोबारा मत आना... 'इसके बाद अचानक आरोपी का गुस्सा फूट पड़ा। उसने घर में रखा चाकू उठाया और पत्नी के सामने ही विकास का गला रेतना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी तब तक वार करता रहा जब तक विकास की मौके पर ही मौत नहीं हो गई।

हत्या के बाद फरार, पुलिस ने दौड़ाकर दबोचा

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर से। आरे के जंगल में फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आरे पुलिस हरकत में आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत तीन अलग-अलग टीमें बनाई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी जंगल के रास्ते मुंबई छोड़कर भागने की फिराक में था। पुलिस ने घेराबंदी कर रास्ते में ही आरोपी को देखा और पीछा कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में कबूला जुर्म

गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पुलिस पूछताछ में हत्या की पूरी कहानी कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि पत्नी और विकास के कथित संबंधों के शक में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल आरे पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे आगे की जांच के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां के भरोसे को तोड़ते हुए घर से करीब 30 ग्राम सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां के भरोसे को तोड़ते हुए घर से करीब 30 ग्राम सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रियांशु गुप्ता ने अपनी प्रेमिका और मुंहबोली बहन के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि चोरी किए गए गहनों को आरोपी ने दो अलग-अलग ज्वेलर्स को बेच दिया था, ताकि प्रेमिका के साथ घूमने-फिरने और अय्याशी के लिए पैसे जुटाए जा सकें। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दिंडोशी पुलिस स्टेशन की डिटेक्शन टीम सक्रिय हुई। पीएसआई अजीत देसाई और उनकी टीम ने तकनीकी जांच, मुखबिरों की सूचना और लगातार मेहनत के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी प्रियांशु गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस ने चोरी किए गए सोने के गहनों की रिकवरी भी कर ली, जिन्हें दो अलग-अलग दुकानदारों से बरामद किया गया। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बरामद गहने उसकी मां साधना गुप्ता को सौंप दिए गए। इस पूरी कार्रवाई में दिंडोशी पुलिस की तत्परता और डिटेक्शन टीम की मेहनत की सराहना की जा रही है।

लगातार बारिश से में दर्दनाक हादसा – थाना रोड पर टूटे बिजली के तार से साइकिल सवार की मौत

● इलाके में सनसनी, प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल! जिम्मेदार कौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि शहर के थाना रोड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सड़क पर गिरे बिजली के टूटे हुए तार के संपर्क में आने से एक साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल फैल गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह खतरनाक तार काफी समय से सड़क पर पड़ा हुआ था, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। घटना के बाद पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और किसी भी तरह के टूटे बिजली के तार या जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें।

बराक घाटी के सिलचर में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ की मांग तेज

श्रीभूमि : असम के बराक घाटी के सिलचर में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ (Permanent Bench) स्थापित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। इसी क्रम में ब्लू हेवन फाउंडेशन, सिलचर के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता इकबाल अहमद बरभुइया ने आज माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को स्पीड पोस्ट के माध्यम से एक ज्ञापन प्रेषित किया। इस ज्ञापन में उन्होंने बराक घाटी में उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ स्थापित करने की पुरजोर मांग की है। प्रस्तावित पीठ के अंतर्गत कछार, श्रीभूमि, हैलाकांडी और दीमा हसाओ जिलों को शामिल करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी पीठ की स्थापना से क्षेत्र के लोगों को न्याय प्राप्त करने में काफी सुविधा होगी। साथ ही दूर-दराज़ के क्षेत्रों से गुवाहाटी तक यात्रा करने की कठिनाई कम होगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुलभ, त्वरित और प्रभावी बन सकेगी।

भारती सिंह से कम पैसे कमाने पर लोग मारते थे ताने- हर्ष

● हर्ष लिम्बाचिया ने नेहा धूपिया के पॉडकास्ट में बताया कि भारती सिंह के उनसे ज्यादा सफल होने पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कॉमेडियन भारती सिंह और लेखक-निर्माता हर्ष लिम्बाचिया छोटे पर्दे की पॉपुलर जोड़ियों में से एक हैं। सात साल तक डेटिंग करने के बाद इस जोड़े ने 2017 में शादी की थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, हर्ष ने बताया कि चूंकि भारती सिंह उनसे ज्यादा सक्सेसफुल हैं इस वजह से उन्हें कई जगह सुनने को मिला।

नेहा धूपिया के शो पर आए थे हर्ष

नेहा धूपिया ने पति अंगद बेदी के साथ एक पॉडकास्ट शो लॉन्च किया है जिसका नाम उन्होंने डबल डेट रखा है। एपिसोड में हर्ष से पूछा गया कि क्या उन्हें 'अधिक सफल' पत्नी से शादी करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। इस पर हर्ष ने जवाब दिय, 'हां, ऐसा बहुत हुआ है। अगर आप किसी लड़की से शादी कर रहे हैं... और समाज कहता है कि पुरुष को महिला से अधिक सफल होना चाहिए, तो इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन जब कोई महिला पुरुष से अधिक सफल होती है, तो लोगों को अजीब लगता है।'

हर्ष को करना पड़ा था आलोचनाओं का सामना

हर्ष ने कहा, 'पहले मुझे भी थोड़ी असहजता महसूस होती थी, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस अपने काम को बेहतर बनाते रहना है और आगे बढ़ना है। एक लेखक के तौर पर मुझे अच्छी कमाई हो रही थी। फिर भी मैंने प्रोडक्शन में हाथ आजमाया, क्योंकि प्रोड्यूसर बनने का मतलब था कि मैं कम से कम उनके लेवल तक तो पहुंच जाऊंगा। कम से कम कुछ तो होगा। फिर मैंने क्रिएटिव डायरेक्शन शुरू किया। मैंने 'कॉमेडी नाइट्स बचाओ' शो लिखा और उसे बनाया भी। उसके बाद मुझे यह आत्मविश्वास मिला कि मैं भी कुछ कर सकता हूं'

हर्ष ने की कपिल शर्मा की तारीफ

कपिल शर्मा के टैलेंट की तारीफ करते हुए हर्ष ने कहा, 'कपिल भाई पूरी स्क्रिप्ट लिखवा लेते थे, मतलब वो बोलते थे और हम टाइप करते थे।' इस पर भारती ने आगे कहा, 'कपिल भाई की स्क्रिप्ट कोई नहीं लिख सकता। उन्हें गॉड से गिफ्ट मिला है। कॉमेडी सीखी नहीं जा सकती, जब तक कि वो आपके अंदर न हो। जॉनी लीवर भाई और इन सभी लोगों को ईश्वरीय वरदान प्राप्त है।'

जंग के बाद पहली बार यूएई पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, बोले- संकट में अमीरात के साथ खड़ा है भारत

● संयुक्त अरब अमीरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंग के दौरान धैर्य बनाए रखने के लिए यूएई की तारीफ की है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय में भारत आपके साथ खड़ा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया का संकट है. उन्होंने यूएई को भारत का दोस्त बताया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संयुक्त अरब अमीरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंग के दौरान धैर्य बनाए रखने के लिए यूएई की तारीफ की है. प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय में भारत आपके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया का संकट पूरी दुनिया का संकट है. उन्होंने यूएई को भारत का दोस्त बताया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई को अपना दूसरा घर बताया. उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से आपकी वायुसेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, ये भारत के लोगों का सम्मान है। पिछले दिनों प्राकृतिक आपदा के कारण कुछ इलाकों में जो परेशानी आई, आपने उन पीड़ित परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की, इसके लिए भी मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं।

पीएम ने यूएई पर हमले की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में ईरान जंग के दौरान यूएई पर जो हमले हुए, उसकी निंदा की. उन्होंने कहा कि यूएई पर हुए हमलों की हम घोर निंदा करते हैं. UAE को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, ये किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। मोदी ने आगे कहा- इन कठिन परिस्थितियों में यूएई के राष्ट्रपति ने जिस संयम, साहस का परिचय दिया है, ये बहुत ही सराहनीय है। राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने में आपके नेतृत्व में उठाए गए कदमों के हम अभिनंदन करते हैं।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में युद्ध की परिस्थिति का प्रभाव आज पूरे विश्व पर दिखाई दे रहा है। भारत ने हमेशा समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता दी है. होर्मुज के रास्ते को खुला और सुरक्षित बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है. इस विषय में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन आवश्यक है।

F-16 ने पीएम के जहाज को एस्कॉर्ट किया

प्रधानमंत्री का जहाज जब यूएई की सीमा में पहुंचा, तब उसे एफ-16 ने एस्कॉर्ट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए यूएई के राष्ट्रपति खुद एयरपोर्ट आए. उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में छठे आरोपित धनंजय लोखंडे 6 दिन CBI की हिरासत में

● नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में छठे आरोपी धनंजय लोखंडे को अदालत ने छह दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए छठे आरोपी धनंजय लोखंडे को आदालत ने छह दिन के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता ने एजेंसी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें लोखंडे को पूछताछ के लिए छह दिन की हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया गया था।

जांच अभी शुरुआती चरण में

लोखंडे को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से गिरफ्तार किया गया था और ट्रांजिट रिमांड पर अदालत में लाया गया था। सुनवाई के दौरान, सीबीआई ने बताया कि लोखंडे ने लीक प्रश्नपत्र सह-आरोपी शुभम को दिया था, जो उसे एक अन्य आरोपी मनीषा बाघमारे से मिला था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि बड़ी साजिश का पर्दाफाश करना जरूरी है और जांच अभी शुरुआती चरण में है। इससे पूर्व गुरुवार को राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत में नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में पांच आरोपितों को सात दिन की सीबीआई रिमांड में भेजने का आदेश दिया था।

छह आरोपितों पर कल सुनाया था फैसला

मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई ने आरोपितों को पेश कर दावा किया था कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले टेलीग्राम और वाट्सएप के जरिए पीडीएफ फॉर्मेट में प्रसारित किया गया था और इसके पीछे एक सुनियोजित नेटवर्क काम कर रहा था। सीबीआई ने मामले को गहरी साजिश बताते हुए आरोपितों की सात दिन की पुलिस कस्टडी मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था।

10 से 12 लाख रुपये तक की डील की

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नासिक निवासी शुभम खैरनार, जयपुर निवासी मंगलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल व गुरुग्राम निवासी यश यादव के रूप में हुई है। इन्हें अलग-अलग राज्यों से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया था।

जांच एजेंसी के मुताबिक, पेपर लीक के बदले 10 से 12 लाख रुपये तक की डील की गई थी।

दिल्ली के रोहिणी में खुले नाले में गिरकर युवक की मौत, घटना से इलाके में दहशत का माहौल

दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी जिले के विजय विहार थाना अंतर्गत बुध विहार में नाले में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक युवक नशे में था। इसके बाद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। वहीं, दिल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक के शव को कब्जे में लेकर पास के अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस के अनुसार, अभी युवक की पहचान नहीं हो पाई है। युवक की उम्र 25 से 30 साल बताई जा रही है। इस दर्दनाक घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। लोगों का कहना है कि बार-बार मांग की जाती है कि खुले नालों को ढक दिया जाए लेकिन, कोई अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। पुलिस अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर युवक की किन परिस्थितियों में मौत हुई है। जांच के बाद ही सही कारण का पता चल सकेगा।

श्रीभूमि जिले में बाढ़ की भयावह स्थिति, बदरपुर शहर सहित कई क्षेत्र जलमग्न

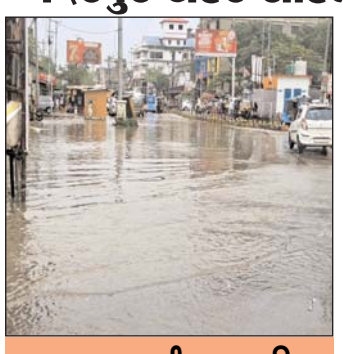

● आम जनजीवन प्रभावित, (NDRF) सक्रिय भूमिका में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : असम के श्रीभूमि जिले में लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण हालात गंभीर हो गए हैं। जिले के विभिन्न टाउन क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ जिले के बदरपुर शहर भी पूरी तरह जलमग्न हो गया है। प्रमुख सड़कों और राजमार्गों पर पानी का तेज बहाव देखा जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बाढ़ की स्थिति के चलते शहर और गांवों में हजारों लोग अपने घरों में फंसे हुए हैं। कई परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और आवश्यक वस्तुओं की भी कमी महसूस की जा रही है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। हालात अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं, हालांकि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है।

शिमला की मृणाल जोशी बनीं यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की गवर्निंग बॉडी जनरल सेक्रेटरी

शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला की निवासी मृणाल जोशी को यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की गवर्निंग बॉडी की जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष राघव चंद्र नाथ द्वारा जारी एक बयान में की गई। संगठन के अनुसार, मृणाल जोशी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके युवा सशक्तिकरण, शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक विकास के क्षेत्र में लंबे समय से किए जा रहे कार्यों को देखते हुए सौंपी गई है। मृणाल जोशी वर्षों से युवाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व विकास और सामाजिक बदलाव से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं। नई भूमिका में वे संगठन की नीतियों के क्रियान्वयन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और युवा-केंद्रित कार्यक्रमों के संचालन का कार्य संभालेंगी। यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जो युवाओं को नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन से जोड़ने का कार्य करता है। संगठन का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक स्तर पर अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

मानसून के लिए दिल्ली तैयार, सभी 13 जिलों में तैनात की गई QRT टीमें

● ट्रैफिक जाम और जलभराव से मिलेगी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मानसून के दौरान आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए दिल्ली के सभी 13 जिलों में त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (QRT) का गठन किया गया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के निर्देशों के अनुसार मानसून और अन्य गंभीर मौसम स्थितियों के दौरान आपातस्थितियों से निपटने के लिए इन टीमों का गठन किया गया है। गिरे हुए और उखड़े हुए पेड़ों के कारण उत्पन्न आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा उन्हें तेजी से हटाना भी इनके कार्यक्षेत्र में शामिल है।

तीन शिफ्ट में काम करेंगी टीमें

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक जारी रहेगा। ये टीमें सभी डीएम के तहत काम करेंगी। टीमें तीन शिफ्टों में काम करेंगी। मानसून के दौरान तेज हवाओं और भारी वर्षा से पेड़ों के गिरने या उखड़ने की घटनाएं आम हो जाती हैं। इससे न केवल यातायात ठप होता है, बल्कि जान-माल का नुकसान भी हो सकता है। आधुनिक उपकरणों से लैस ये टीमें सड़कों पर गिरे भारी पेड़ों और टहनियों को तेजी से हटाकर यातायात बहाल करेंगी। डीडीएमए ने स्पष्ट किया है कि नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलते ही टीम को न्यूनतम समय में मौके पर पहुंचना होगा।

जाम और जलभराव से टीमें दिलाएंगी राहत

डीडीएमए का यह आदेश अगले निर्देश तक लगातार जारी रहेगा। सरकार और प्रशासन का उद्देश्य मानसून के चार महीनों के दौरान जलभराव और भारी जाम की समस्या से दिल्लीवासियों को निजात दिलाना है। सभी संबंधित विभागों को इन टीमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा नियंत्रण कक्ष को भी सीधे इन 13 टीमों से जोड़ दिया गया है ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान बिना किसी देरी के हो सके।